दिनांक 27 फरवरी, 2015

प्रेस विज्ञप्ति

लखनऊ प्राणि उद्यान, लखनऊ

लखनऊ प्राणि उद्यान एवं बिलासपुर प्राणि उद्यान के मध्य वन्य जीव विनिमय के अन्तर्गत दो बब्बर शेर दिनांक 13 फरवरी, 2015 को प्राणि उद्यान लाये जा चुके है। इसी क्रम में आज दिनांक 27 फरवरी को बिलासपुर कि टीम लखनऊ प्राणि उद्यान से 3 नर एवं 4 मादा बारासिंघा लेकर आज शाम बिलासपुर रवाना होगी।

बिलासपुर प्राणि उद्यान से आये एक नर एंव एक मादा बब्बर शेर लखनऊ के वातावरण में अभ्यस्त हो गये हैं। दोनों शेरों द्वारा सामान्य तौर पर खाना खाया जा रहा है और इनका व्यवहार भी शांत एवं सामान्य है। इन शेरों को बलरामपुर लॉयन हाउस में रखा गया है। इनको अब दर्शको के डिस्प्ले हेतु खोल दिया गया है। यह अपने बाड़े में आराम से घूम–फिर रहे है। भारी संख्या में दर्शक इनकी तरफ आकर्षित हो रहे है एवं बब्बर शेरो को देखने के लिये उत्साहित भी है।

(–ह0–)
(अनुपम गुप्ता)
निदेशक,
लखनऊ प्राणि उद्यान

दिनांक 24 फरवरी, 2015

लखनऊ प्राणि उद्यान, लखनऊ
प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 24 फरवरी, 2015 को वन्य जीव विनिमय के अन्तर्गत पदमजा नायडू हिमालयन जुलोजिकल पार्क, दार्जलिंग से एक जोड़ा कॉमन ग्रे लंगूर एवं 06 मादा गोल्डन फिजेन्ट लखनऊ प्राणि उद्यान लाये गये। लखनऊ प्राणि उद्यान द्वारा एक जोड़ा इन्डियन पाईथन एवं एक जोड़ा वाईपर स्नेक वन्य जीव पदमजा नायडू हिमालयन जुलोजिकल पार्क, दार्जलिंग को दिया जायेगा।

कॉमन ग्रे लंगूर काफी बड़े, स्वस्थ एवं फुर्तीले है। इनको बन्दर बाड़े में रखा गया है। गोल्डन फिजेन्ट को पक्षी बाड़े में रखा गया है। प्राणि उद्यान में पहले से 2 नर एवं 3 मादा गोल्डन फिजेन्ट उपलब्ध थे अब 06 मादा आने से प्राणि उद्यान में इनकी संख्या में वृद्धि होगी। सभी वन्य जीव स्वस्थ हैं व खाना भी खा रहे हैं। इन नये मेहमानों को दर्शकों को देखने के लिए कुछ ही दिनों में खोल दिया जायेगा।

प्रदेश के प्राकृतिक वनों में वन्य जीवों की संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से लखनऊ प्राणि उद्यान शेष सरप्लस 17 मगरमच्छों को आज दिनांक 24.02.2015 को कर्तनियाघाट वन्य जीव विहार में छोड़ा गया है। इसके लिए प्राणि उद्यान के पशु चिकित्सक डा0 विकास सिंह के नेतृत्व में लखनऊ प्राणि उद्यान से एक टीम कर्तनियाघाट वन्य जीव विहार गयी है। इसके पूर्व भी लगभग 200 चीतल लखनऊ प्राणि उद्यान द्वारा गोण्डा एवं कर्तनियाघाट वन्य जीव विहार के विभिन्न प्राकृतिक वन क्षेत्रों में अवमुक्त किया गया है। इससे लखनऊ प्राणि उद्यान के सरप्लस वन्य जीवों के कम होने से प्राणि उद्यान के संस्साधनों का बेहतर वैज्ञानिक प्रबन्धन एवं उपयोग भी हो सकेगा।

(–ह0–)
(अनुपम गुप्ता)
निदेशक
लखनऊ प्राणि उद्यान